प्रादेशिक अनुसंधान स्थात्र, बीकानेर पर वृहद प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) के प्रादेशिक अनुसंधान स्थात्र, बीकानेर पर 27 फरवरी को वृहद प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। किसानों की आय बढ़ाने के लिए शुष्क कृषि में नवाचार विषय पर आयोजित इस प्रक्षेत्र दिवस बीकानेर जिले के एक सौ पचास कृषकों ने भाग लिया।

कृषकों को शुष्क कृषि की नवीन तकनीकों के बारे में काजरी तथा अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों ने जानकारी दी। कृषकों को फिल्ड विजिट द्वारा नई तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रोफेसर डॉ. आर. पी. सिंह, कुलपति, स्वामी केशवानन्द, राजस्थान कृषि विश्वविधालय ने कार्यक्रम का उद्वघाटन किया तथा किसानों को विविधिकृत कृषि अपनाने तथा कृषि अनुसंधान एवम् प्रसार संस्थाओं से संपर्क में रहने की अपील की। कुलपति ने काजरी अनुसंधान फार्म का भम्रण कर चल रहें अनुसंधान विशेषकर जल बचत सम्बन्धित प्रोग्राम की प्रशंसा की एवम् किसानों की अपनाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री विनोद चौधरी, मुख्य अभियंता, इ.गा.न.प. ने कृषि में जल के विवेक संगत उपयोग हेतु नवीन तकनीकों को अपनाने की सिफारिश की। डॉ. एच. के. नरूला ने फसलों तथा पशुपालन को साथ-साथ करने व समन्वित खेती प्रणाली को किसानों को आय बढ़ाने के लिए अति महत्वपूर्ण कदम बताया। काजरी अध्यक्ष डॉ. एन. डी. यादव ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों तथा कृषकों के लिए चलाए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जी. एल. बागड़ी ने अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत काजरी द्वारा जिले में चलाए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकरी दी। कार्यक्रम के दौरान कृषकों को उन्नत कृषि क्रियाओं, जल बचत तकनीकों, फसल पौध संरक्षण, एकीकृत खेती प्रणाली, कृषि वानिकी विषयों पर डॉ. ए. के. मीणा, वी. एस. आचार्य, दीपक सरोलिया, बीरबल, एम. एल. सोनी, एन. एस. नाथावत, वी. एस. राठौड, सुबुलक्ष्मी वी, शीतल राधाकृषन ने जानकारी दी।